

उत्तराखण्ड अभ्युदय

◆ वर्ष -01

◆ अंक-44

◆ देहरादून - रविवार 14 सितम्बर 2025

◆ पृष्ठ : 4

◆ मूल्य: 1/-

1200 करोड़ का पैकेज, अनाथ बच्चों का खास ख्याल रखें: पीएम

देहरादून। हिमाचल, पंजाब और उत्तराखण्ड पर इस बार का मॉनसून का कहर बनकर टूटा। हिमाचल में भूस्खलन, बाढ़ की तबाही ने वो मंजर दिखाया जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। उत्तराखण्ड में बाढ़ फटने, दरकते पहाड़ों ने लोगों को जिंदगी तहस-नहस कर दी तो वहीं पंजाब में कई गांवों को बाढ़ ने डुबो दिया। हिमाचल, पंजाब के बाद आज पीएम मोदी उत्तराखण्ड पहुंचे थे। मौसम खराब होने की वजह से पीएम मोदी का हवाई दौरा रद्द कर दिया गया है। पीएम ने मौसम की मार झेले लोगों से मुलाकात की और प्रदेश के लिए 1200 करोड़ के आर्थिक मदद की घोषणा की। हिमाचल को 1600, पंजाब को 1500 करोड़ की मदद पीएम पहले ही देने की बात कह चुके हैं। पीएम ने इसके अलावा अनाथ बच्चों का विशेष ख्याल रखने की बात कही है। इसके बाद पीएम सेना के विशेष विमान से दिल्ली रवाना हो गए। वहीं एयरपोर्ट जा रहे महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला समेत कार्यकर्ताओं को पुलिस



ने रायपुर स्थित महाराणा प्रताप कॉलेज चौक पर रोक लिया। उत्तराखण्ड के दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी ने खराब मौसम की वजह से हवाई सर्वे नहीं किया, हालांकि उन्होंने मॉनसूनी तबाही से पीड़ित लोगों से जरूर बात की। इसके अलावा उन्होंने प्रजेंटेशन के

जरिए बाढ़ से हुए नुकसान की भी समीक्षा की। इस दौरान उनके साथ सीएम पुष्कर सिंह धामी और बाकी मंत्री, अधिकारी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने प्रदेश को आपदा राहत के लिए 1200 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। पीएम

मोदी ने आपदा में अपनों को खोने वाले परिवारजनों को केंद्र सरकार की तरफ से दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपये देने का वादा किया है। सीएम धामी ने प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में देहरादून में आपदा राहत एवं बचाव कार्यों से संबंधित उच्चस्तरीय

बैठक में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में आई आपदा की स्थिति और संचालित किए गए राहत एवं पुनर्वास कार्यों की जानकारी साझा की। अनाथ हुए बच्चों के विशेष ख्याल के लिए पीएम केयर फॉर चिल्ड्रेंस स्कीम के तहत सहारा दिया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार से हर मुमकिन सहयोग का आश्वासन भी दिया। पीएम ने इस दौरान धराली की त्रासदी झेल रहे पीड़ितों से भी बात की। उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी बैठक में मौजूद थे। इसके अलावा, पीएम मोदी ने उत्तराखण्ड में बचाव और राहत कार्यों का जायजा लेते हुए बाढ़ प्रभावित लोगों और एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के कर्मियों के साथ भी बातचीत की। इससे पहले पीएम मोदी को रिसीव करने के लिए खुद प्रदेश के मुखिया पुष्कर सिंह धामी पहुंचे थे। देहरादून के जौलीग्रैंट एयरपोर्ट पर सीएम ने उनका स्वागत किया जिसके बाद वह आगे के कार्यक्रम के लिए निकले।

अपर सचिव ग्राम्य विकास का जनपद हरिद्वार में भ्रमण कर महिला समूह द्वारा संचालित उद्यम का किया निरीक्षण

हरिद्वार। उत्तराखण्ड सरकार की अपर सचिव, ग्राम्य विकास एवं परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड ग्राम्य विकास समिति, सुश्री झरना कमठान ने आज जनपद हरिद्वार में ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के अंतर्गत संचालित गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने महिला सीएलएफ और स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित उद्यमों की प्रगति,

दिए। जिला परियोजना प्रबंधक श्री संजय सक्सेना एवं संबंधित सीएलएफ अध्यक्ष ने अवगत कराया कि सिंघाड़े का उत्पादन आगामी अक्टूबर माह से शुरू होते ही आटे की नियमित आपूर्ति बहाल हो जाएगी।

इसके पश्चात, सुश्री कमठान ने रुड़की विकासखंड स्थित हिलांस बेकरी यूनिट का निरीक्षण किया। उन्होंने महिला समूहों

द्वारा सभी उत्पादों की गुणवत्ता पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण एवं सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे, ताकि बाजार में उपलब्ध कराए जा रहे उत्पाद उच्च मानकों पर खरे उतरें। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान में उत्पादों की गुणवत्ता संतोषजनक है और विभाग इसे और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के दौरान सुश्री कमठान ने ब्लॉक कार्यालयों का औचक निरीक्षण भी किया, जहां सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित पाई गईं।

इस अवसर पर, परियोजना निदेशक (डीआरडीए) श्री कैलाश नाथ तिवारी ने मुख्य विकास अधिकारी, श्रीमती आकांक्षा कोण्डे के निर्देशन में निर्माणाधीन लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया तथा कार्य को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण में सुश्री झरना कमठान के साथ परियोजना निदेशक (डीआरडीए) श्री कैलाश नाथ तिवारी, जिला परियोजना प्रबंधक श्री संजय सक्सेना, समस्त सहायक प्रबंधक, खानपुर एवं रुड़की के बीडीओ/एबीडीओ, ब्लॉक स्तरीय रीप एवं एनआरएलएम टीम, संबंधित सीएलएफ की टीम सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।



उत्पादों की गुणवत्ता तथा बाजार संभावनाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम खानपुर विकासखंड में स्थापित सिंघाड़ा प्रोसेसिंग यूनिट का दौरा किया। यहां उन्होंने उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन कर आटे का उत्पादन शीघ्र पुनः प्रारंभ करने के निर्देश

द्वारा तैयार की जा रही सिंघाड़ा कुकीज व अन्य कुकीज की गुणवत्ता और पैकेजिंग संबंधी जानकारी विस्तार से प्राप्त की तथा उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। उनके साथ आई क्वालिटी टीम

जिलाधिकारी ने किसानों को गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के लिए निर्देश

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला योजना के तहत कृषि और उद्यान विभाग में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने कृषि और उद्यान विभाग की ओर से किए कार्यों की



जानकारी लेते हुए अधिकारियों को बीजों की गुणवत्ता और उत्पादन को बढ़ाने पर जोर देने की बात कही।

कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक के दौरान उन्होंने कृषि विभाग की ओर से किए जा रहे नवाचार के कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कृषि अधिकारी को जिला योजना के तहत खेतों की सुरक्षा और उत्पादन में वृद्धि के लिए गुणवत्ता वाले बीज किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान कृषि अधिकारी जेपी तिवारी ने बताया कि जिला योजना के तहत विभाग को अवमुक्त 200 लाख की धरनाशि के सापेक्ष 113 लाख के कार्य किए गए हैं। जबकि अन्य कार्य गतिमान हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत कृषि सुरक्षा, बीज वितरण, सिंचाई क्षेत्र का विकास जैसे कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान उद्यान विभाग के देवी प्रसाद डंगवाल ने बताया कि विभाग को योजना के तहत अवमुक्त 205 लाख की धरनाशि के सापेक्ष 36.01 लाख की धरनाशि व्यय की गई है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण, सब्जी बीज वितरण, पॉली हाउस निर्माण, फूलों के उत्पादन के कार्य करवाए जा रहे हैं। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी डा. अभिषेक त्रिपाठी, अर्थ एवं संख्या अधिकारी विनय जोशी आदि मौजूद थे।

सम्पादकीय

रखेंगे हर मरीज का ख्याल

आरोग्यं परमं भाग्यं, स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्।
स्वस्थो भवतु लोकेषु, नित्यं सुखमवाप्नुयात॥

अर्थात्

स्वास्थ्य सबसे बड़ा सौभाग्य है और सभी कार्यों की पूर्ति का साधन भी।जो व्यक्ति स्वस्थ होता है वह संसार में सुख और शांति को प्राप्त करता है।

स्वास्थ्य की बेहतरी के उद्देश्य से उत्तराखंड राज्य के सरकारी अस्पतालों में कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और मरीज-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तराखंड राज्य के स्वास्थ्य सचिव ने सचिवालय स्थित सभागार में सभी 13 जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (ब्ड०) और उप-जिला अस्पतालों के प्रमुख अधीक्षकों (ब्डै) के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की और समुचित कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

उत्तराखंड राज्य के स्वास्थ्य सचिव ने रैफरल प्रणाली को लेकर खासतौर पर नाराजगी जताई और इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अब अस्पतालों से मरीजों को अनावश्यक रूप से रेफर नहीं किया जाएगा।कई बार देखा गया है कि अस्पतालों की लापरवाही या संसाधन प्रबंधन की कमी के कारण मरीजों को बिना किसी स्पष्ट कारण के रेफर कर दिया जाता है, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है। हर रेफरल की जिम्मेदारी संबंधित ब्डै पर होगी। हर रेफरल को ब्डै की काउंटर-साइनिंग के साथ वैध और ठोस कारणों से ही किया जाना अनिवार्य होगा। यदि किसी केस में यह प्रक्रिया नहीं अपनाई गई या कारण अपर्याप्त पाया गया तो उस अधिकारी के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाएगी।स्वास्थ्य महानिदेशक को निर्देशित किया कि रैफरल से संबंधित एक स्पष्ट ऍड तैयार की जाए, ताकि पूरे प्रदेश में एकरूपता के साथ रेफरल की प्रक्रिया अपनाई जा सके। बैठक में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को लेकर भी व्यापक चर्चा हुई।निर्देश दिए गए कि ब्ड० और ब्डै की यह जिम्मेदारी होगी कि किसी भी आपात स्थिति में मरीज को अस्पताल या उच्च चिकित्सा सुविधा तक ले जाने के लिए सरकारी अन्य संसाधनों का प्रयोग कर सेवा उपलब्ध कराई जाए। हमारी प्राथमिकता मरीज की जान है, न कि प्रक्रिया की जटिलता। इसके लिए पहले से एक स्थानीय एंबुलेंस नेटवर्क और संसाधन सूची भी तैयार रखने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य सचिव ने यह भी निर्देश दिया कि प्रतिकूल परिस्थिति में संबंधित अस्पताल प्रशासन या ब्ड० स्वयं संसाधन जुटाकर यह सुनिश्चित करें कि शव को सम्मानपूर्वक परिजनों तक पहुंचाया जाए। एक परिवार को और कष्ट न झेलना पड़े, यह हमारी नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी है ।

राज्य के प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ और निरोगी रहें। स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर देवभूमि उत्तराखंड विकास के पथ पर हरपल अग्रसर रहे यही ईश्वर से कामना है।

जय देवभूमि उत्तराखंड!! जय भारत!!

डॉ.गार्गी मिश्रा

देश या राज्य की राजनीति पर कोई खास असर नहीं

अजीत द्विवेदी

एकाध अपवादों को छोड़ दें तो आमतौर पर उपचुनावों का देश या राज्य की राजनीति पर कोई खास असर नहीं होता है। जबलपुर लोकसभा सीट के उपचुनाव में शरद यादव की जीत या बिहार की वैशाली लोकसभा सीट पर उपचुनाव में लवली आनंद की जीत या झारखंड में तमाड़ विधानसभा सीट पर शिवू सोरेन की हार आदि कुछ अपवाद हैं। बाकी उपचुनाव आमतौर पर रूटीन के अंदाज में लड़े जाते हैं और सहज ही उसके फैसले भुला दिए जाते हैं। परंतु इस बार ऐसा नहीं है। इस बार 10 राज्यों की 31 विध नसभा सीटों और एक लोकसभा सीट पर बुधवार, 13 नवंबर को मतदान हुआ है और चार राज्यों की 14 विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर 20 नवंबर को मतदान होगा। इन 47 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों के नतीजों का बड़ा असर देश और संबंधित राज्यों की रजनीति पर पड़ेगा। हालांकि इनके नतीजों से केंद्र या संबंधित राज्य की सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं होगा। इसके बावजूद इन चुनावों के नतीजे इसलिए अहम हैं क्योंकि उनसे संबंधित राज्यों की

राजनीतिक दशा और दिशा तय होगी। इनसे यह भी पता चलेगा कि लोकसभा चुनाव का नतीजा एक संयोग था या सचमुच शईडिया’ ब्लॉक का प्रयोग कामयाब हुआ था। चुनाव आयोग ने अचानक उत्तर प्रदेश की नौ सीटों का उपचुनाव 13 नवंबर से टाल कर 20 नवंबर क्यों किया इसका भी अंदाजा नतीजों से लगेगा। उत्तर प्रदेश की नौ सीटें- फूलपुर, कटेहरी, करहल, सीसामऊ, मझवां, गाजियाबाद सदर, खैर, मीरापुर और कुंदरकी में उपचुनाव है। इनमें से चार सीटें समाजवादी पार्टी के, तीन भाजपा के और दो भाजपा के सहयोगियों रालोद व निषाद पार्टी के पास थीं। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस गठबंधन ने भाजपा को हरा दिया था। उसके बाद योगी की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा था। यह खतरा तभी टलेगा, जब राज्य की नौ सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा बड़ी जीत हासिल करे। इसके लिए चुनाव की घोषणा के पहले से योगी आदित्यनाथ मेहनत कर रहे हैं। ऐसा लग रहा था कि मेहनत में कुछ कमी रह गई तभी चुनाव आयोग ने 13 नवंबर का

उपचुनाव 20 नवंबर कर दिया। क्योंकि आयोग ने चुनाव टालने का जो कारण दिया है वह निराधार है। आयोग ने गंगा स्नान और गुरु पूर्णिमा का कारण बताया है। लेकिन आठ नवंबर तक छठ होने का कारण बता कर प्रशांत किशोर ने बिहार में उपचुनाव आगे बढ़ाने को कहा था तो आयोग ने उसे खारिज कर दिया था। चुनाव आयोग के तर्क में कोई दम नहीं है। आयोग ने पहले ही मिल्कीपुर का चुनाव घोषित नहीं किया था, जो फैजाबाद लोकसभा सीट के तहत आता है। बहरहाल, उत्तर प्रदेश की नौ सीटों का चुनाव योगी आदित्यनाथ की प्रतिष्ठा और उनके करिश्मे की परीक्षा है। चुनाव से पहले पार्टी के अंदर के मतभेद खुल कर सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री श्कटेंगे तो बंटेंगे’ के नारे पर चुनाव लड़ रहे हैं तो उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को इससे ऐतराज है और वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्कए रहेंगे तो सेफ रहेंगे’ के नारे का जिक्र कर रहे हैं। प्रयागराज में छात्रों का प्रदर्शन चल रहा है, जिसमें केशव मौर्य, पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह आदि

छात्रों का समर्थन कर रहे हैं। दूसरी ओर सपा और कांग्रेस का गठबंधन बिखर गया। सपा अकेले सभी नौ सीटों पर लड़ रही है। अखिलेश यादव ने लोकसभा में आजमाए गए अपने पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के फॉर्मूले को ज्यादा आक्रामक तरीके से आजमाया है। उन्होंने चार मुस्लिम, तीन पिछड़े और दो दलित उम्मीदवार उतारे हैं। सो, अखिलेश के पीडीए और योगी आदित्यनाथ के श्वटेंगे तो कटेंगे’ की परीक्षा होनी है। इस बार बहुजन समाज पार्टी भी उपचुनाव लड़ रही है लेकिन उसकी नेता मायावती ने सिर्फ उम्मीदवार उतार कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली है। उपचुनाव का नतीजा बसपा के राज्य की राजनीति में हाशिए पर पहुंच जाने की धारणा को और पुख्ता करेगा।

बिहार की चार सीटों पर उपचुनाव 13 नवंबर को हो गया। इनमें से तीन सीटें- बेलागंज, रामगढ़ और तरारी राजद और सीपीआई माले की थीं, जबकि एक- इमामगंज सीट भाजपा की सहयोगी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा यानी हम की थी। इस बार दो सीट पर भाजपा, एक पर जदयू और एक

सीट पर हम चुनाव लड़ रहा है तो दूसरी ओर तीन सीटों पर राजद और एक पर माले का उम्मीदवार है। यह पहली बार हो रहा है कि इन सीटों पर चुनाव आमने सामने का न होकर त्रिकोणात्मक हो रहा है क्योंकि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने चारों सीटों पर अपने जन सुराज पार्टी का उम्मीदवार उतारा है।

वे 2025 का रोडमैप इस उपचुनाव से दिखाने का दावा कर रहे हैं। इस बार जदयू और प्रशांत किशोर दोनों ने राजद के मुस्लिम और यादव वोट में सेंध लगाने का दांव चला है। तो प्रशांत किशोर ने जदयू व भाजपा के लव कुश और सवर्ण वोट को तोड़ने के लिए भी उम्मीदवार उतारे हैं। सो, दोनों पारंपरिक गठबंधनों को साबित करना है कि असली लड़ाई उनकी ही है और प्रशांत किशोर कोई ताकत नहीं बन पाए हैं। इन चार सीटों के नतीजे से अगले साल के विधानसभा चुनाव की संभावनाओं का अंदाजा होगा। साथ ही इसका भी पता चलेगा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सेहत को लेकर चल रही चर्चाओं और तेजस्वी के सीएम पद के दावे को राज्य के मतदाता किस तरह से लेते हैं।

देश के लिए चुनौती बने सड़क हादसे

अमित बैजनाथ गर्ग

यूं तो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने वाली सड़कें देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं, लेकिन आए दिन होने वाले सड़क हादसे कई सवालिया निशान भी खड़े कर रहे हैं। सड़क हादसे भारत जैसे विकासशील देश के लिए चुनौती बने हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले साल वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसके अनुसार वैश्विक स्तर पर सड़क दुर्घटनाओं में प्रति वर्ष 1.35 मिलियन से अधिक मौतें होती हैं, और 50 मिलियन से अधिक लोगों को गंभीर शारीरिक चोटें आती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली कुल मौतों में से 11 प्रतिशत भारत में होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं के कारण भारत को होने वाले नुकसान को लेकर विश्व बैंक के आकलन के अनुसार, 18-45 आयु वर्ग के लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर सर्वाधिक 69 प्रतिशत है। इसके अलावा 54 प्रतिशत मौतें और गंभीर चोटें मुख्य रूप से संवेदनशील बगरे जैसे पैदल यात्री, साइकिल चालक और दोपहिया वाहन सवार आदि में देखी जाती हैं। भारत में 5-29 वर्ष आयु-वर्ग के बच्चों और युवा वयस्कों में सड़क दुर्घटना मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। विश्व सड़क सांख्यिकी के अनुसार, 2018 में सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों की संख्या में भारत दुनिया में पहले स्थान पर था। इसके बाद चीन और अमेरिका का नंबर आता है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, देश भर में होने वाली कुल सड़क दुर्घटनाओं में से 76 प्रतिशत दुर्घटनाएं ओवरस्पीडिंग और गलत साइड पर गाड़ी चलाने जैसे यातायात नियमों के

उल्लंघन के कारण होती हैं। कुल सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों और पैदल चलने वालों की हिस्सेदारी सबसे अधि क है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसके बावजूद सड़क यातायात इंजीनियरिंग और नियोजन के दौरान इस विषय पर ध्यान नहीं दिया जाता। यातायात इंजीनियरिंग और नियोजन सड़कों को विस्तृत करने तक ही सीमित है, जिसके कारण कई बार सड़कों और राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट बन जाते हैं। ब्लैक स्पॉट वे स्थान होते हैं, जहां सड़क दुर्घटना की आशंका सबसे अधिक रहती है। सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली 80 प्रतिशत मौतों के लिए वाहन चालक प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होते हैं। यह तथ्य देश में अच्छे ड्राइविंग स्कूलों की कमी की ओर भी इशारा करता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की श्भारत में सड़क दुर्घटनाएं’ शीर्षक वाली रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2022 में सड़क दुर्घटना में लगभग 68 प्रतिशत मौतें ग्रामीण क्षेत्रों में हुईं, जबकि कुल दुर्घटना मौतों में शहरी क्षेत्रों का योगदान 32 फीसद रहा। दुर्घटनाओं और मृत्यु दर, दोनों में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी सर्वाधिक रही।

यूं तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए केंद्र सरकार अपने स्तर पर काफी प्रयास कर रही है, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। सड़क सुरक्षा के बारे में प्रभावी जन जागरू कता बढ़ाने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से मीडिया के सभी माध्यमों द्वारा विभिन्न प्रचार उपाय एवं जागरू कता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा मंत्रालय सड़क सुरक्षा समर्थन के संचालन के लिए विभिन्न एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भी योजना का संचालन

कर रहा है। इंजीनियरिंग योजना स्तर पर सड़क सुरक्षा को सड़क डिजाइन का एक अभिन्न अंग बनाया गया है। सभी राजमार्ग परियोजनाओं का सभी चरणों में सड़क सुरक्षा ऑडिट अनिवार्यकिया गया है। इसके साथ ही मंत्रालय ने वाहन की अगली सीट पर ड्राइवर की बगल में बैठे यात्री के लिए एयरबैग के अनिवार्यप्रावधान को लागू किया है। इसके साथ ही कानूनों और प्रवर्तन में सुधार, ढांचागत परिवर्तनों के माध्यम से सड़कों को सुरक्षित बनाना और सभी वाहनों में जीवनरक्षक तकनीक उपलब्ध कराना जरूरी किया जाना चाहिए। असल में सड़क हादसों में कमी लाने के लिए जरूरी है कि लोगों के व्यवहार में परिवर्तन का प्रयास किया जाए। हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं इन्हीं कारणों से होती हैं। लोगों को शराब पीकर गाड़ी न चलाने के प्रति जागरूक करना होगा। वहीं दुर्घटना के बाद तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराना और पीड़ित को जल्द अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करने से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। दुर्घटना के बाद आस-पास खड़े लोग घायल की जान बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सड़कों की योजना, डिजाइन और संचालन के दौरान सुरक्षा पर ध्यान देना सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने में प्रभावी योगदान दे सकता है। जब तक इन सुझावों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक सड़क दुर्घटनाओं को कम करना संभव नहीं होगा। जरूरी है कि सड़क सुरक्षा से संबंधि त सभी पहलुओं पर विचार करते हुए आवश्यक उपायों की खोज की जाए।

आदत दुरुस्त तो दिल तंदुरुस्त

एक कॉर्पोरेट कंपनी में काम करने वाले सौरभ अरोड़ा के बाएं कूल्हे में दर्द शुरू हुआ, तो महज बाम की मालिश करके वो इसे भूल गए। कुछ समय बाद सौरभ को अहसास हुआ कि दर्द लगातार बढ़ रहा है। कूल्हे से शुरू होकर यह दर्द पैर के निचले हिस्से को भी प्रभावित कर रहा था। पेनकिलर्स और बाम की मालिश भी फेल हो गई। फ़िजियोथैरेपी से उन्हें पैरी राहत जरूर मिली, लेकिन दर्द जस का तस बना हुआ था। इस बार सौरभ एक आर्थोपेडिक्स के पास गए और दर्द से जुड़े लक्षणों को बताया। लक्षणों को सुनकर ऑर्थोपेडिक्स ने तुरंत कहा, 'ये तो साइटिका के लक्षण हैं।' ऐसे लोग जो टेबल या कंप्यूटर पर घंटों बैठ कर काम करते हैं, उन-?हें यह दर्द ज्यादा परेशान करता है।

इसी तरह एक पब्लिशिंग हाउस में काम करने वाली सोनिया मेदीरता भी गर्दन और कंधे के दर्द को नजरअंदाज करती रहीं। टेस्ट कराने पर पता चला कि सोनिया को सर्वाइकल की समस्या है। सोनिया को घंटों डेस्क पर कंप्यूटर के सामने बैठना होता है, तो सौरभ को ऑफिस आने-जाने के लिए बाइक पर लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इसका सीधा असर उनके बॉडी पॉश्चर और मेरुदंड पर पड़ता है। बदलते लाइफस्टाइल और ऑफिस वर्क कल्चर के कारण गर्दन, कमर और घुटनों का दर्द आम होता जा रहा है। लेकिन इस दर्द को नजरअंदाज मत कीजिए, इसके इशारे को समझिए, क्योंकि यह दर्द किसी बड़ी बीमारी का संकेत हो सकता है। रोजमर्रा के दर्द में कमर दर्द सबसे कॉमन है। इसके मुख्य कारण ज्यादा भागदौड़, तनाव, घंटों ऑफिस में बैठकर काम करना इत्यादि हो सकते हैं। यह दर्द संकेत देता है कि आपका उठने-बैठने का तरीका सही नहीं है। यह रीढ़ की हड्डी से जुड़ी गंभीर बीमारी या लंबर स्पाइंडलाइसिस के लक्षण भी हो सकते हैं। इसी तरह सामान्य लगने वाला घुटनों के दर्द का कारण बेकर्स सिस्ट भी हो



सकता है। घुटनों में दर्द चोट या किसी बीमारी जैसे आर्थराइटिस, बरसाइटिस (घुटनों में बार-बार दबाव पड़ने से सूजन होना), टेन्टीनाइटिस (सीढ़ियां चढ़ने-उतरने पर होने वाला दर्द), बेकर्स सिस्ट (आर्थराइटिस की वजह से घुटनों के पीछे होने वाली सूजन) आदि की वजह से होता है। इसके अलावा, कार्टिलेज और लिगामेंट्स के घिसने से भी यह होता है। सिर झुकाकर कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों में गर्दन दर्द की दिक्रत ज्यादा होती है। ऐसे युवा जो लेटकर टीवी देखते हैं या पढ़ाई करते हैं, उन्हें भी इस दर्द से जूझना पड़ता है। यह दर्द जब गर्दन से सिर की ओर बढ़ जाता है तो सर्वाइकल स्पाइंडलाइटिस का रूप ले लेता है। यह एक जटिल बीमारी है, जिसका लंबा ट्रीटमेंट लेना पड़ता है।

समझो दर्द का इशारा हमारी लाइफस्टाइल ने बहुत से दर्द हमें सौगात में दिए हैं। यह दर्द कई बड़ी बीमारियों का संकेत हो सकता है। इससे बचाव के लिए प्रतिदिन वॉक करें। देर तक कम्प्यूटर के सामने न बैठें। शारीरिक श्रम करें, वजन संतुलित रखें और सही आकार के जूते-चप्पल पहनें। हेल्दी डाइट भी जरूरी है। देर तक ड्राइविंग करने से बचें। कुर्सी पर सीधे बैठना चाहिए और बहुत सख्त या

मुलायम गद्दे पर सोने से बचें। सोते समय कमर के नीचे एक तौलिया फ़ोल्ड करके रखें। दर्द से पीड़ित हैं, तो बिना चिकित्सक के परामर्श के खुद एक्सरसाइज न करें।

कई आदतें न केवल दिल को स्वस्थ रखती हैं, बल्कि आपकी उम्र भी बढ़ाती हैं। नियमित व्यायाम, धूम्रपान न करने और पौष्टिक आहार लेने से अन्य व्यक्तियों की तुलना में आपकी उम्र लंबी हो सकती है।?स्टेंडफोर्ड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन की रिसर्च में ये बात सामने आई है। दिन भर टीवी के सामने बैठे रहने, लेटकर कंप्यूटर पर काम करना आदि कुछ ऐसी आदतें हैं, जो हृदय रोग का जोखिम बढ़ा देती हैं। रक्तचाप के स्तर को सामान्य बनाए रखना भी दिल और सेहत के लिए बेहद जरूरी है। रक्तचाप के अलावा ब्लड ग्लूकोज का स्तर सामान्य बनाए रखना भी एक अच्छी आदत है। कॉलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर हृदय संबंधी रोगों का मुख्य कारण होता है। सेब और संतरे जैसे फल, प्याज, ब्रोकोली जैसी सब्जियां और मछली आदि का सेवन नियमित करें। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन एवं विटामिन युक्त संतुलित आहार लें। शरीर में हल्के-फुल्के दर्द को नजरअंदाज करना ठीक नहीं है, क्योंकि मामूली दर्द भी किसी बड़ी बीमारी का लक्षण हो सकता है।

एक्सरसाइज को करो एंजॉय

अगर आप खुद को फिट रखना चाहते हैं, तो अपनी एक्सरसाइज को जिम्मेदारी या बोझ समझकर बिल्कुल न करें। चाहे तनाव कम करना हो या फिर वजन घटाना हो, एक्सरसाइज को अगर एंजॉय करेंगे, तो ज्यादा फायदा होगा। खुद को जल्दी हेल्दी बनाने की कोशिश में बहुत ज्यादा वर्कआउट न करें।



वर्कआउट थोड़ा-थोड़ा शुरू करें और फिर उस ओर बढ़ें जितनी जरूरत है। एक्सरसाइज अगर बोर करती है, तो इसे दोस्तों के साथ किया जा सकता है। गपशप के साथ-साथ एक्सरसाइज करने से बोरियत नहीं होगी और वर्कआउट भी अच्छा होगा। वर्कआउट के साथ-साथ खानपान का ध्यान भी जरूरी है। बॉडी एक्सरसाइज शरीर को थका देती है और माइंड एक्सरसाइज शरीर को तरोताजा करती है। इसलिए अपने वर्कआउट में योगा, प्राणायाम, मेडिटेशन को भी स्थान दें।

स्किन को दीजिए बेस्ट डाइट

चमकदार चेहरा और हमेशा जवां दिखने की चाह हर किसी की होती है, लेकिन हेल्दी त्वचा के लिए खास देखभाल और स्किन फ्रेंडली डाइट भी जरूरी है। झुर्रियों को दूर रखने के लिए आप गाजर, आड़ू और खुबानी को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।



नारंगी भी त्वचा को कांतिमय बनाने में सहायक होती है। इनमें बीटा कैरोटीन पाया जाता है, जो त्वचा को झाई होने से रोकता है और झुर्रियों को कम कर देता है। टमाटर में एंटी-ऑक्सीडेंट लाइकोपीन होता है, जो अल्ट्रा-वॉयलट किरणों से बचाता है। इसे खाने के साथ-साथ इसका नेचुरल पैक आप चेहरे पर लगा भी सकते हैं। जैतून का तेल भी त्वचा के लिए बेहतर है। इसे खाने के साथ-साथ लगाया भी जा सकता है। चैरी, अनार और ब्लूबेरी भी झुर्रियों को कम करने, बढ़ती उम्र के प्रभाव को रोकने और त्वचा के रूखेपन को दूर करने में सहायक होते हैं।

पैंक्रियाइटिस: तक्लीफदेह रोग जिससे बचना संभव

गौतम लगभग दो हफ्तों से बहुत परेशान था। उसके पेट में थोड़ी-थोड़ी देर से मरोड़ के साथ दर्द उठता था। दर्द इतना अधिक था कि उसे लगता था जैसे उन की जान ही निकल जाएगी। उसका वजन काफी घट गया था और लगातार घटता ही जा रहा था। शरीर काफी दुबला पतला हो गया था। तब गौतम को अहसास हुआ कि अब किसी डॉक्टर से इलाज करवाना ही होगा। आखिर जब गौतम डॉक्टर के पास पहुंचा तो कई प्रकार की जांच के बाद उसे पता चला कि नियमित रूप से शराब का सेवन करते रहने से उसका अग्नाशय (पैंक्रियाज) रोग से ग्रस्त हो चुका है। दो बार आपरेशन कराने के बाद उसकी जान तो बच गई पर इस घटना के बाद गौतम ने शराब पीने की आदत से अपना पीछा छुड़ाना ही बेहतर समझा।

गौतम की तरह बहुत से लोग लगातार शराब पीने की आदत के शिकार हैं। कुछ लोग आधुनिक जीवन का तनाव कम करने के लिए इस के चुंगल में फंसेते हैं तो कुछ लोग इसे शौकिया तौर पर शुरू करते हैं और कुछ लोगों के लिए तो यह एक स्टेटस सिंबल बन चुकी है। शराब पीने का आरंभ चाहे कैसे भी होता हो पर धीरे-धीरे यह

केवल एक आदत बन कर रह जाती है। लीवर की बीमारियों और पेट के अल्सर से तो सभी परिचित हैं परन्तु आजकल पैंक्रियाज ग्रंथि भी शराब पीने की वजह से रोगग्रस्त होती है, यह रोग भी शराब पीने की आदत की ही देन है।

प्रत्येक स्त्री एवं पुरुष के आमाशय के पीछे पैंक्रियाज ग्रंथि पाई जाती है जो 12.5 से 15 सेंटीमीटर तक लंबी होती है। इसका वजन स्त्रियों व पुरुषों में अलग-अलग होता है। पुरुषों में इसका भार 90.41 ग्राम होता है जबकि स्त्रियों में इसका भार 84.88 पाया जाता है। शरीर में इस गुच्छित ग्रंथि का आकार मछलीनुमा होता है। इस से निकली नलिका (पैंक्रिएटिक डक्ट) तथा पित्ताशय से निकली नलिका संयुक्त रूप से मिल कर छोटी आंत में प्रवेश करती हैं। इस ग्रंथि से एक क्षारीय प्रकृति का पाचक रस स्त्रावित होता है। इसमें ट्रीप्सिन नाम का एंजाइम मुख्य रूप से पाया जाता है जो भोजन को पचाने का काम करता है। इसी पैंक्रियाज ग्रंथि से इंसुलिन नामक हार्मोन पैदा होता है जो कि कार्बोहाइड्रेट को पचाने का मुख्य कार्य करता है। इस हार्मोन की कमी से मधुमेह रोग होता है। इसलिए इस ग्रंथि को अंतः स्त्रावी ग्रंथि की श्रेणी में भी रखा गया

है।

इस में जो ट्रीप्सिन नामक एंजाइम बनता है उस में इसी ग्रंथि अर्थात अपनी ही ऊतिकाओं को खत्म या नष्ट करने की क्षमता या दुर्गुण होता है। परन्तु साधारण तौर पर ऐसा संभव नहीं हो पाता। इसका कारण यह होता है कि इसी ग्रंथि से एक एंटी ट्रीप्सिन नामक रसायन भी निकलता है जो इसे नियंत्रण में रखता है। पर जब किन्हीं कारणों से यह संतुलन बिगड़ता है तो ट्रीप्सिन एंजाइम अपनी ही ऊतिकाओं को नष्ट करने लगता है। इस प्रकार पैंक्रियाज ग्रंथि नष्ट होने लगती है। नष्ट ऊतकों में संक्रमण होता है। इसी स्थिति को पैंक्रियाटाइटिस कहा जाता है।

पैंक्रियाटाइटिस रोग के प्रमुख कारण हैं शराब पीना, पित्ताशय की पथरी, एजाथायोप्रिन (औषधिजन्य), संक्रमण, पेट पर कोई गंभीर चोट, लिपिड तथा प्रोटीन का खून में बढ़ता हुआ स्तर, बहुत बड़ा आपरेशन, रक्त में कैल्शियम का बढ़ता स्तर आदि।

पैंक्रियाटाइटिस रोग के आरंभ में रोगी के पेट में भयंकर दर्द होता है। रोगी को उल्टियां भी होती हैं। पित्त के रास्ते में आई रुकावट की वजह से रोगी पीलिया से भी

ग्रस्त हो जाता है। इस के साथ ही रोगी का वजन एकदम से कम होने लगता है। कुछ ही दिनों में वह केवल हड्डियों का ढांचा दिखाई देने लगता है। इस स्थिति को रोग का तीव्र आक्रमण अर्थात् एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस कहा गया है।

जैसे जैसे रोग बढ़ता जाता है स्थिति स्थिति और भी भयानक होती जाती है। रोगी का अग्नाशय स्थायी रूप से खराब हो जाता है। पाचन और रक्त शर्करा नियंत्रण में बाधा आती है इसके परिणाम स्वरूप मधुमेह की बीमारी हो जाती है और मल में अधिक मात्रा में वसा का निष्कासन हो जाता है अग्नाशय में पथरी हो जाती है और पेट में दर्द रहने लगता है।

शराब पीना इस रोग का प्रमुख कारण होता है पहले यह रोग ज्यादा मात्रा में (60 से 80 ग्राम) लंबे समय तक (8 से 10 वर्ष तक) शराब पीने वालों में पाया जाता था परंतु आजकल यह पाया गया है कि 20 से 40 ग्राम शराब के एक या दो सालों तक लगातार सेवन करने से भी व्यक्ति इस रोग की गिरफ्त में आ सकता है। अगर फिर भी रोगी शराब पीना नहीं छोड़ता है तो उसकी मृत्यु भी हो सकती है।

इस रोग के निदान के उपाय

निम्नलिखित हैं-

- एमाइलेज एंजाइम का रक्त स्तर रोग के पिछले कुछ दिनों में बढ़ता है परंतु बाद में इस के पेशाब के द्वारा निकलने से स्तर फिर से सामान्य हो जाता है पेशाब का 24 घंटे का नमूना लेकर इस एंजाइम के स्तर पर ध्यान रखना अच्छा होता है।

सामान्य तकनीकों के अलावा ईआरसीपी यानि एंडोस्कोपिक रिट्रोग्रेड कोलेंजियो पैंक्रिएटोग्राफी नामक तकनीक एक आधुनिक सुविधा है। इसमें मुंह से एंडोस्कोप डाल कर छोटी आंत के पहले भाग (डायोनिडनम) तक पहुंचाया जाता है जहां पर पित्त नलिका और पैंक्रियाज की नलिका का संयुक्त सुराख होता है। इस सुराख में नली डालकर पित्त एवं पैंक्रियाज नली में दवा डालकर उसके चित्र लिए जाते हैं।

शराब छोड़ना इस रोग के लिए सस्ता और बेहतर निदान है। साथ ही रोगी को वसायुक्त भोजन भी नहीं लेना चाहिए क्योंकि वसायुक्त भोजन और शराब के हर घूंट के साथ तेज और असहनीय दर्द उठता है। अग्नाशय के पाचक रसों की गोतियां भी चिकित्सक की देखरेख में ही होनी चाहिए।

डीएम दीक्षित के निर्देशन में नगर निगम एवं जिला प्रशासन द्वारा फुटपाथ सुव्यवस्थित अभियान चलाया गया

हरिद्वार। शहर में फुटपाथ को सुव्यवस्थित और आम राहगीरों एवं वाहनों की आवाजाही में कोई रुकावट एवं दिक्कत



जिससे आम जनमानस एवं श्रद्धालुओं को फुटपाथ पर चलने में कोई दिक्कत एवं परेशानी ना हो तथा जाम की स्थिति से निजात दिलाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी की जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा फुटपाथ को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। नगर मजिस्ट्रेट कुशम चौहान ने जानकारी देते हुए अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशन में शहर क्षेत्रांतर्गत नगर निगम, प्रशासन एवं पुलिस द्वारा फुटपाथ को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया जिसके माध्यम से व्यापारियों से अपेक्षा की जा रही है कि उनके द्वारा अपने प्रतिष्ठानों के आगे फुटपाथ पर रखे सामान को सुव्यवस्थित ढंग से रखने तथा फुटपाथ एवं सड़क से हटाने के लिए कहा जा रहा है इसके अलावा जिला प्रशासन का सहयोग करने को कहा जा रहा है जिससे कि फुटपाथ खाली रहे

निर्माणाधीन योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए निर्देश

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बुधवार को जल जीवन मिशन के अन्तर्गत संचालित कार्यों की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने जल संस्थान और जल निगम को जल जीवन मिशन स्वीकृत योजनाओं को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिन योजनाओं का अधिकांश कार्य हो चुका है, उनको प्राथमिकता पर पूर्ण कराया जाए। विकास खण्ड स्तर से गांवों में किए जा रहे हर घर जल सर्वेक्षण कार्यों को शीघ्र पूरा करें। इसमें जो भी शिकायत या समस्याएं आ रही हैं उनको तत्काल निस्तारण करते हुए रिपोर्ट उपलब्ध करें। हर घर जल सर्टिफिकेशन और स्रोत की जियो टैगिंग में वांछित प्रगति लाई जाए। जल जीवन मिशन के नोडल अधिकारी/जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार सैनी ने बताया कि

ना होने पाए।

उन्होंने सभी व्यापारी प्रतिष्ठानों को सचेत किया है कि इस अभियान के माध्यम से किसी प्रतिष्ठान द्वारा प्रशासन का सहयोग नहीं किया जाता है तो तथा फुटपाथ एवं सड़क पर अपना सामान रखते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने अवगत कराया है कि देवपुरा चौक से रानीपुर मोड़ तक विशेष फुटपाथ सुव्यवस्थित अभियान चलाया गया। उन्होंने अवगत कराया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पेयजल योजनाओं के पुनर्गठन एवं जल स्रोतों के सुधारीकरण हेतु दूसरे चरण में जनपद में कुल 571 योजनाओं में से 468 पूर्ण कर ली गई है और 103 योजनाओं का कार्य चल रहा है।

मेयर बाली ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती पर अर्पित किये श्रद्धा सुमन

रुद्रपुर। महापौर दीपक बाली ने बुधवार को पंत पार्क पहुंचकर भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत स्मारक समिति द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी, देश के पूर्व गृहमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी की जयंती स पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनकी स्मृति में पौधरोपण किया।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सहित चार को पाया मारपीट का दोषी

पौड़ी। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पौड़ी की अदालत ने बीजीआर पौड़ी परिसर के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सहित चार युवाओं को मारपीट का दोषी पाया है। अदालत ने चारों दोषी युवाओं को छह माह की परिवीक्षा पर छोड़ दिया है। उन्हें सदाचरण पर रहना होगा। सभी दोषियों को जिला प्रोबेशन अधिकारी के समक्ष 30 हजार का बंध पत्र जमा करना होगा। बीते 20 मई 2023 को कोतवाली पौड़ी में एसएफआई कार्यकर्ता नितिन मलेठा ने एक तहरीर दी थी। तहरीर में उन्होंने कहा था कि पौड़ी के नगर पालिका बरातघर में 19, 20 व 21 मई 2023 को एसएफआई (स्टूडेंट फेडरेशन आफ इंडिया) का राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। जहां बीते 20 मई की शाम 7 बजे एबीवीपी के कार्यकर्ता पहुंच गए। यहां उन्होंने एसएफआई कार्यकर्ताओं से गाली-गलौज, मारपीट, तोड़फोड़ की। साथ ही एक कार्यकर्ता का गला घोटने का प्रयास किया गया। सम्मेलन के अतिथि के प्राइवेट पार्ट को चोट पहुंचाई गई। छात्रों को मारने की धमकी भी इनके द्वारा दी गई। उन्होंने घटना में शामिल रहे पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष, उनके भाई सहित चार युवाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, जान से मारने की धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने जांच के बाद 22 अप्रैल 2024 को अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। सहायक अभियोजन अधिकारी वर्षा ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पौड़ी प्रतीक मथेला की अदालत ने गढ़वाल विवि के बीजीआर परिसर पौड़ी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ऋत्विक् असवाल, उनके भाई मंजीत असवाल निवासी अपर चोपड़ा पौड़ी, मनोज रावत निवासी बैजवाड़ी गांव व अंकित रावत निवासी न्यू पल्ड हाउस पौड़ी को मारपीट का दोषी पाया है। अदालत ने सभी दोषियों को छह माह की परिवीक्षा पर छोड़ दिया है।

महापौर ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत देश के महान नेताओं में से एक है, और उनके आदर्श और राष्ट्रप्रेम सर्वोपरि की उनकी सोच पर चलने का संकल्प लेते हैं।



जिन्होंने अपनी त्याग और तपस्या से इस देश

को न सिर्फ आजाद कराया बल्कि आजादी के बाद देश के नवनिर्माण में भी जो भूमिका निभाई वह हमेशा याद रहेगी। हमारा सौभाग्य है की काशीपुर पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी की कर्मभूमि रही है। हम उन महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को शत-शत नमन करते हैं

इस दौरान समिति के संयोजक दिलीप मेहरोत्रा, सह संयोजक एमएस रावत, महामंत्री गौतम मेहरोत्रा, उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह, शफीक अहमद अंसारी, मनोज जोशी, विमल गुडिया, अलका पाल, अरुण चौहान आदि मौजूद रहे स

पिथौरागढ़ में रसोई गैस के लिए मारामारी

पिथौरागढ़ मैदानी क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों के बीते दिनों बंद रहने से सीमांत में रसोई गैस संकट गहरा गया है। आपूर्ति कम और मांग अधिक होने से गैस एंजेंसी के लिए उपभोक्ताओं को घरेलू सिलेंडर उपलब्ध कराना मुश्किल हो गया है। नतीजन घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी लोग खाली सिलेंडर घर ले जाने को मजबूर हैं। जिला मुख्यालय में सितारगंज से रसोई गैस की सप्लाई होती है। वाहन टनकपुर मार्ग से होते हुए यहां आवाजाही करते हैं, लेकिन बीते करीब 11 दिनों से यह मार्ग पहले सभी वाहनों के लिए वर्तमान में भारी वाहनों के लिए बंद है। इससे रसोई गैस की सप्लाई लड़खड़ा गई है। वर्तमान में रसोई गैस के वाहन हल्द्वानी से यहां पहुंच रहे हैं, लेकिन रसोई गैस के सीमित वाहन पहुंचने से दिक्कत खड़ी हो गई है। बीते दिन शहर में केवल रसोई गैस के एक वाहन का वितरण

हुआ। स्थानीय नीमा ने बताया कि वह रसोई गैस सिलेंडर रिफिल करने को स्पार्ट में पहुंची, लेकिन रसोई गैस खत्म होने का हवाला देकर उन्हें कल आने के लिए कहा गया।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आर्फसेट प्रिंटर्स 64 नेशविला रोड देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेंट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादक: **गार्गी मिश्रा** 8765441328
समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।

भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत की जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

अल्मोड़ा। भारत रत्न पंडित गोविन्द

बल्लभ पंत का जन्म इसी भूमि पर हुआ। उन्होंने कहा कि पंत जी ने संयुक्त प्रांत



बल्लभ पंत की 138वीं जयंती पर बुधवार को उनकी जन्मस्थली खूंटे में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा, जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह पींचा, क्षेत्रीय पुरातत्व अधीकारी डॉक्टर चन्द्र सिंह चौहान समेत अनेक जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने पंडित पंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि यह अल्मोड़ा जनपद का गौरव है कि स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी और भारत रत्न पंडित गोविन्द

के मुख्यमंत्री के रूप में अनेक कल्याणकारी योजनाओं को मूर्त रूप दिया और स्वतंत्रता संग्राम में अपना अमूल्य योगदान दिया। आज उनके नाम से अनेक शैक्षिक और वैज्ञानिक संस्थान संचालित हैं, जो देश की प्रगति में योगदान दे रहे हैं। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने पंत जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने कहा कि पंडित पंत न केवल स्वतंत्रता सेनानी बल्कि देश के गौरव और समाज सुधारक भी थे। कार्यक्रम में मेयर अजय वर्मा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा सहित कई वक्ताओं ने

पंडित पंत के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी और कुशल प्रशासक बताते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। साथ ही सूचना विभाग में पंजीकृत सांस्कृतिक दलों ने भी आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विभिन्न विभागों की ओर से जनहित योजनाओं से संबंधित जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए गए, जिनका लाभ उपस्थित लोगों ने उठाया। जिला स्तरीय अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

मुख्य समारोह से पूर्व सुबह चौघानपाटा स्थित पंत पार्क में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां नगर के गणमान्य नागरिकों ने पंडित पंत की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और उनके जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने उन्हें कुली बेगार प्रथा और जमींदारी उन्मूलन जैसे आंदोलनों का अग्रदूत बताते हुए कहा कि समाज सुधार और स्वतंत्रता के लिए उनका संघर्ष आज भी प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि पंडित गोविन्द बल्लभ पंत का संघर्षशील और दूरदर्शी नेतृत्व आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बना रहेगा।